न्यूज डायरी

8 साल से बंद सीक्रेट एजेंसी, ढूंढ रही यूएफओ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। दुनिया के अलग–अलग देशों के साथ तनावपूर्ण स्थिति का सामना कर रहे अमेरिका का रक्षा मंत्रालय इस दुनिया के बाहर से होने वाले खतरों के खिलाफ भी तैयारी कर रहा है। यहां तक कि करीब 12 साल पहले अमेरिकी सेना के पायलट्स ने जिन यूएफओ यानी उड़नतश्तरी को देखा था, अभी तक उस घटना की जांच की जा रही है, जबकि माना जा रहा था कि पेंटागन के इस सीक्रेट संगठन को बंद कर दिया गया है। 2017 में न्यूयॉर्क टाइम्स ने पहली बार रिपोर्ट किया था कि अमेरिकी सेना की यूएफओ जांच यूनिट– अडवांस्ड एयरोस्पेस थ्रेट आइडेंटिफिकेशन प्रोग्राम– 2007 से लेकर 2012 के बीच ऑपरेशन कर रही थी और माना जा रहा था कि उसके बाद यह बंद हो गई। हालांकि, अभी तक कुछ रहस्यों का पर्दाफाश करने की कोशिश जारी है। दिलचस्प बात यह है कि पिछले महीने अमेरिकी सरकार की बजट रिपोर्ट में इस प्रॉजेक्ट का जिक्र किया गया था।

अपने ट्वीट को लेकर 'अक्सर' पछतावा होता है : ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक साक्षात्कार में माना कि उन्हें अपने द्वारा किये गए कुछ ट्वीट को लेकर ''अक्सर'' पछतावा होता है।ट्रंप ने बारस्टूल स्पोर्ट्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि यह पुराने दिनों की तरह नहीं है जब लोग एक खत लिखते थे और इसे भेजने से पहले पूरा दिन पास लिये बैठे रहते थे जिससे उन्हें इस पर फिर से सोचने का वक्त मिल जाता था।उन्होंने कहा, ''लेकिन ट्विटर के साथ ऐसा नहीं है। हम फौरन ही ट्वीट कर देते हैं, हम अच्छा महसूस करते हैं और फिर जब आपको फोन आने शुरू होते हैं, 'क्या आपने सच में यह कहा?''उन्होंने कहा, "ज्यादातर तो रीट्वीट्स मुश्किल में डाल देते हैं।"राष्ट्रपति ने कहा, ''आप ऐसा कुछ देखते हैं जो अच्छा लगता है और आप उसकी पड़ताल नहीं करते।''गौरतलब है कि हाल के महीनों में ट्रंप की ''व्हाइट पावर'' और यहूदी विरोधी संदेशों वाले पोस्ट रीट्वीट करने के लिए आलोचना की गई।

पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में दर्ज हुए 1,487 नए मामले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। कोरोना वायरस का कहर पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी बरकरार है। पिछले 24 घंटे में यहां पर 1,487 नए मामले दर्ज किए गए हैं। अब देश में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 2,71,886 तक पहुंच गया है।राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने कहा कि इस बीमारी से कुल 2, 36 हजार 596 लोगों ठीक हो चुके हैं। देश के कुल संक्रमित मामलों में से अकेले सिंध में 116,800 दर्ज किए हैं। वहीं पंजाब में 91,691, खैबर–पख्तूनख्वा में 33,071, इस्लामाबाद में 14,821, बलूचिस्तान में 11,550, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 2,012 और गिलगित–बाल्टिस्तान में 1,942 में पाए गए। पिछले 24 घंटों में 1,487 नए रोगियों की पहचान के बाद देश में कोविड–19 मामलों की कुल संख्या 271,886 तक पहुंच गई, जबकि वायरस के कारण 5,787 लोगों की मौत हो गई। देश में 1 हजार 294 मरीजों की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

भारतीय महिलाओं ने कार्य परमिट में देरी के खिलाफ दायर किया मुकदमा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। एक भारतीय महिला ने काम के परमिट जारी करने में कथित देरी के लिए अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवाओं के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसमें अधिकारियों पर कम से कम 75,000 गैर–पंजीकृत रोजगार प्राधिकरण दस्तावेजों के बैकलॉग पर बैठने का आरोप लगाया गया है। रंजीता सुब्रमण्या, जो एच –4 बी वीजा पर हैं और उनके पति विनोद सिन्हा एच –1 बी वर्क वीजा पर हैं, ओहियो में एक संघीय अदालत के समक्ष दायर एक मुकदमे में कहा गया है कि उनके आवेदन में उनके एच –4 स्टेटस और रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज का विस्तार किया गया है। (ईएडी) को 7 अप्रैल को मंजूरी दी गई थी, उसने आज तक कार्य प्राधिकरण कार्ड प्राप्त नहीं किया।

पीएम ओली से जंग, प्रचंड बोले–टूट सकती है पार्टी

नेपाल का राजनीतिक संकट अभी टला नहीं है

आलोचना

■पीएम ने रजिस्टर कराई है नई पार्टीः दहल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। कुछ दिन पहले तक लग रहा था कि शायद नेपाल की राजनीति में उठा तूफान शांत हो सकता है। हालांकि, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के को–चेयर और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के प्रमुख विरोधी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड ने साफ कह दिया है कि अभी पार्टी टूटने की आशंका खत्म नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पीएम ओली क कहने पर कुछ लोगों ने देश के निर्वाचन आयोग के पास सीपीएन–यूएमएन नाम की पार्टी रजिस्टर कराई है। इससे पहले पार्टी के बीच पैदा हुए संकट को खत्म करने के लिए चीनी राजदूत ने ताबड़तोड़ बैठकें की थीं जिससे अटकलें लगाई जा रही थीं कि शायद कुछ सुलह हो भी सकती है।

संकट की वजह ओली का बर्ताव नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) की स्थाई समिति की बैठक में प्रधानमंत्री ओली के धड़े और पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड के खेमे के बीच के मतभेदों को दूर नहीं किया जा सका। इसी बैठक के कुछ दिन बाद प्रचंड ने यह बयान दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक पुष्प लाल श्रेष्ठ और नर बहादुर कर्मचार्य के स्मृति दिवस पर काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन दहल ने संकेत दिए किए छब्द में संकट की वजह पीएम ओली का बर्ताव है।

संकट में है पार्टीः दहल दहल ने कहा, बातचीत के बावजूद पार्टी के दूसरे चेयरमैन के कहने पर निर्वाचन आयोग में सीपीएन–यूएमएल नाम की पार्टी रजिस्टर कराई गई जिससे हमारी पार्टी संकट में है। ईसी में सीपीएन–यूएमएल नाम की पार्टी के रजिस्ट्रेशन के लिए 1 जुलाई को आवेदन दिया गया था। यह आवेदन संध्या तिवारी के नाम से दिया गया था। पीएम ओली पर पार्टी को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए दहल ने कहा कि उन्होंने (ओली) अपने पक्ष में छात्रों और पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रदर्शन कराए। उन्होंने कहा, हम पार्टी के अंदर चर्चा कर रहे हैं लेकिन देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं।

दहल और ओली में सीक्रेट डील? दहल और पार्टी के सीनियर नेता माधव कुमार नेपाल के ओली का इस्तीफा मांगने के बाद से देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं जबकि बातचीत के बाद पार्टी के अंदर मतभेद पटते नजर आने लगे थे। कहा जा रहा था कि पीएम ओली और प्रचंड के बीच एक सीक्रेट डील हुई है जिसके तहत आने वाले कुछ दिनों में नेपाली कैबिनेट में फेरबदल किया जाएगा। इस दौरान प्रचंड गुट के कई नेताओं को कैबिनेट में मलाईदार पद मिलने की संभावना है।

चाबहारः ईरान लेना चाहता है भारत से फायदा ?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। भारत से लद्दाख में सीमा विवाद और अमेरिका से कोरोना वायरस से लेकर दक्षिण चीन सागर तक कई मुद्दों पर तनावपूर्ण स्थिति पैदा करने वाले चीन के साथ ईरान की नजदीकियां बढ़ती जा रही हैं। दूसरी ओर भारत की अमेरिका से करीबी उसे रास नहीं आ रही है। इस बीच भले ही उसने चाबहार–जहेदान रेलवे प्रॉजेक्ट से भारत को हटाने की खबरों का खंडन किया हो लेकिन माना जा रहा कि इसके पीछे भी एक रणनीति रही है। दरअसल, तेहरान यह झटका देकर अमेरिका के लगाए प्रतिबंधों पर भारत को मिलने वाली छूट का फायदा उठाना चाह रहा था।

ईरान चीन के साथ 400 अरब डॉलर की डील कर रहा है जबकि वह इस बात से नाराज है कि भारत ने अमेरिका के प्रतिबंधों का पालन करते हुए ईरान से ऊर्जा आयात रोक दिया। हालांकि, ईरान ने इन खबरों को अफवाह बताया है और चीन से अपनी नजदीकी के बावजूद वह साफतौर पर भारत से तल्खी नहीं जाहिर कर रहा। इस बात की संभावना पहले ही जताई जा रही थी कि तेहरान और नई दिल्ली के बीच 2026 में 10 साल का चाबहार समझौता पूरा होने के बाद चीन इसे अपने बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव के तहत ले लेगा।

हागिया सोफिया फिर बनी मस्जिद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तुर्की। कड़े विरोध के बीच इस्तांबुल में संग्रहालय से मस्जिद बनी हागिया सोफिया को खोल दिया गया है। 86 साल बाद शुक्रवार को बड़ी संख्या में मुस्लिम नमाज पढ़ने हागिया सोफिया पहुंचे। ईसाई समाज अभी भी इस बात का विरोध कर रहा है कि कभी चर्च और फिर संग्रहालय बनी हागिया सोफिया को मस्जिद में क्यों बदला गया। पहली नमाज के दौरान इस मस्जिद में करीब 350000 लोग शामिल हुए। तुर्की के राष्ट्रपति रज्जब तैयब एर्दोआन छठी शताब्दी के स्मारक के अंदर नमाज अदा करने के पहले कार्यक्रम में लगभग 500 गणमान्य लोगों के साथ शामिल हुए। इस नमाज को खुद राष्ट्रपति एर्दोआन ने लीड किया। इस दौरान तुर्की कैबिनेट के कई वरिष्ठ मंत्री भी उपस्थित रहे।

पूर्व ऐस्ट्रोनॉट की चेतावनी,पृथ्वी से टकरा सकते हैं 10 लाख से ज्यादा ऐस्टरॉइड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। आमतौर पर ऐस्टरॉइड पृथ्वी की ओर आते हैं और पास से गुजर जाते हैं। हालांकि, एक ऐस्ट्रोनॉट का दावा है कि स्पेस में ऐसे करीब 10 लाख ऐस्टरॉइड हैं जो पृथ्वी से टकरा सकते हैं। पहले यूरोपियन स्पेस एजेंसी के लिए काम करने वाले पाओलो नेस्पोली ने यह दावा किया है। साल 2018 में 61 साल की उम्र में रिटायर होने वाले नेस्पोली ने स्पेस में कई अहम ट्रिप लगाई हैं। अब उन्होंने यह चौंका देने वाला दावा किया है।

आशंका की अनदेखीः नेस्पोली ने एक ट्वीट किया है, बड़े और छोटे, ऐसे करीब 10 लाख से

नेस्पोली ने स्पेस में कई अहम ट्रिप लगाई

ज्यादा ऐस्टरॉइड हैं जो पृथ्वी से टकरा सकते हैं। अभी हम इस आशंका की अनदेखी कर रहे हैं कि कोई विशाल ऐस्टरॉइड अचानक आ सकता है। अभी कदम उठाने चाहिए। नेस्पोली ने 163348 ऐस्टरॉइड का वीडियो शेयर करते हुए यह दावा किया। यह ऐस्टरॉइड जून में सिर्फ 32 लाख मील दूर से निकला था जो ज्यादा दूरी नहीं है।

मंगल–जूपिटर के बीचः माना जाता है कि ज्यादातर ऐस्टरॉइड मंगल और जूपिटर के बीच पाए जाते हैं। अगर किसी तेज रफ्तार चट्टान के धरती से करीब 46 लाख मील से करीब आने की संभावना होती है तो उसे स्पेस ऑर्गनाइजेशन्स खतरनाक मानते हैं। नासा का Sentry सिस्टम ऐसे खतरों पर पहले से ही नजर रखता है। इस सिस्टम के मुताबिक जिस ऐस्टरॉइड से धरती को वाकई खतरे की आशंका है वह है अभी 850 साल दूर है।

रक्षातंत्र पर काम जारीः साल 2880 में न्यूयॉर्क की Empire State building जितना बड़ा ऐस्टरॉइड 29075 के पृथ्वी की ओर की आने की आशंका है। हालांकि, वैज्ञानिकों को विश्वास है कि आने वाले वक्त में Planetary Defense System विकसित कर लिया जाएगा जिस पर काम पहले ही शुरू हो चुका है।

सिंगापुर के नागरिक ने चीन के लिए जासूसी करने का जुर्म कबूला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के न्याय मंत्रालय ने कहा कि सिंगापुर के एक नागरिक ने चीन का जासूस होने का जुर्म स्वीकार कर लिया है। सिंगापुर के नागरिक जुन वेई येओ उर्फ डिक्सन येओ ने अमेरिका के भीतर विदेशी ताकत का अवैध एजेंट होने के जुर्म को स्वीकार करने वाली याचिका दाखिल की। न्याय मंत्रालय की राष्ट्रीय सुरक्षा इकाई के लिए अमेरिका के सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन सी डेमर्स ने कहा कि चीनी सरकार ऐसे अमेरिकियों से संवेदनशील जानकारी जुटाने के लिए छल कपट का जाल बुनती है जिन पर किसी तरह का संदेह नहीं होता। डेमर्स ने कहा,'' येओ भी एसी ही एक योजना के केन्द्र में था और करियर नेटवर्किंग साइट और फर्जी कंसल्टिंग साइट के जरिए ऐसे अमेरिकी नागरिकों को फंसाता था जो चीन की सरकार के काम आ सकते हों। यह अमेरिकी समाज के खुलेपन का फायदा उठाने के चीन की सरकार के उत्पीड़न का एक और उदाहरण है।''याचिका के अनुसार येओ ने 2015 में चीनी खुफिया अधिकारी के साथ काम करना शुरू किया और पहले इनका निशाना एशिया के देश थे बाद में इन्होंने अमेरिका पर ध्यान केन्द्रित किया।